जैन धर्म में ध्यान का ऐतिहासिक विकास क्रम (फोल्डर नं. ००१७११)

मुख्य टाईटल
आशीर्वचन
हार्दिक आशीर्वचन
समर्पण
श्रुतज्ञान प्रचार प्रसार के सशक्त साथी
प्राक्कथन
स्वकथ्य
हार्दिक प्रेरणास्पद
अभिसम्मत
सुगम आधार
विषय सूची
खण्ड प्रथम भारतीय संस्कृति में ध्यान परम्परा--१-४८
भारतीय संस्कृति की दो धाराएँ
श्रमण संस्कृति
प्राचीनता
चातुर्याम धर्म- पंच महाव्रत
मतमतान्तर
आत्मविशुद्धि और समता की साधना
निर्विकल्पता की उपलब्धि का माध्यम
विभिन्न श्रमण परम्पराओं में ध्यान
रामपुत्त की ध्यानसाधना और उसका बौद्ध और जैन परम्परा पर प्रभाव
जैन परम्परा में ध्यान और तत्सम्बंधी साहित्य
बाह्मण संस्कृति
वैदिक परम्परा में ध्यानविधि
पातंजल योगदर्शन में धारणा, ध्यान और समाधि
श्रीमद् भगवदगीता में ध्यानयोग
योगवाशिष्ठ में ध्यानयोग
बौद्ध धर्म में ध्यान की परम्परा एवं ध्यानविषयक साहित्य
बौद्ध धर्म का ध्यान सम्प्रदाय
खण्ड द्वितीय प्राचीन जैन अर्धमागधी वाङ्मय में ध्यान---१-५१
योग और ध्यान की भारतीय परम्परा
आगम- कर्ता- अंगप्रविष्ट- अंगबाह्य
आचारांग सूत्र और उसके व्याख्या साहित्य में ध्यान

सूत्रकृतांग सूत्र में ध्यान सम्बन्धी निर्देश
स्थानांग सूत्र में ध्यान सम्बन्धी विवेचना
समवायांग सूत्र में ध्यान
भगवती सूत्र और ध्यान
प्रश्नव्याकरण सूत्र
औपपातिक सूत्र
उत्तराध्ययन सूत्र
दशवैकालिक सूत्र
दशाश्रुतस्कन्ध सूत्र
आवश्यक सूत्र
आवश्यक निर्युक्ति
खण्ड तृतिय शौरसेनी प्राकृत साहित्य में ध्यानयोग ---१-२५
पृष्ठभूमि- षट्खण्डागम की धवला टीका
मूलाचार- भगवती आराधना-आचार्यकुन्दकुन्द- पंचास्तिकाय,समयसार,नियमसार,मोक्षपाहुड
कार्तिकेयानुप्रेक्षा
योगसार
द्रव्यसंग्रह
खण्ड चतुर्थ आचार्य उमास्वाति जिनभद्र गणि और पूज्यपाद के ग्रन्थों में ध्यानविमर्श--------------१-३१
आचार्य उमास्वातिकृत तत्वार्थसूत्र
जिनभद्रगणिकृत ध्यानशतक
पूज्यपाद- ईष्टोपदेश, समाधितंत्र
खण्ड पंचम आचार्य हरिभद्र सूरि के ग्रन्थों में ध्यान- साधना---१-३९
योगद्वष्टि समुच्चय- ईच्छायोग, शास्त्रयोग, सामर्थ्ययोग-
धर्मसंन्यास और योगसंन्यास, आठ योगद्वष्टियाँ
योगशतक- निश्चय योग- व्यवहार योग
योगविंशिका
योगबिन्दु पंचाशकप्रकरण
खण्ड षष्ठ आचार्य शुभचन्द्र, भास्करनन्दि व सोमदेव के साहित्य में ध्यानविमर्श---------------------१-७२
आचार्य शुभचन्द्र ज्ञानार्णव-ध्यानयोग...
त्रित्व- शिव, गरुड, कामतत्व
आचार्य भास्करनन्दि ध्यानस्तव
आचार्य सोमदेव कृत योगमार्ग
आचार्य सोमदेव कृत यशस्तिलकचन्पू
खण्ड सप्तम आचार्य हेमचन्द्र, योगप्रदीककार व सकलचन्द्र गणि के साहित्य में ध्यानसम्बन्धी
निर्देशब--१-६४

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

योगशासास्त्र ध्यान का अनुपम ग्रन्थ
योगप्रदीप गागर में सागर
ध्यानदीपिका संकलनग्रन्थ
खण्ड अष्टम यशोविजय और आनन्दघन के साहित्य में ध्यानसाधना ----------------------------------१-६३
उपाध्याय यशोविजय
अध्यात्मसार
अध्यात्मोपनिषद
ज्ञानसार
आनन्दघन पदावली
अन्यपद
खण्ड नवम आधुनिक चिन्तक और ध्यानसाधना---१-४८
श्रीमद् राजचंद्र
विपस्सना ध्यान पद्धति
आचार्य तुलसी का मनोनुशासन
समीक्षण ध्यान
महासती श्री उमारावकुँवर अर्चना म. सा. का मुद्राध्यान
आचार्य शिवमुनि का ध्यानयोग
आचार्य महाप्रज्ञा का प्रेक्षाध्यान
उपसंहार---१-१३
सहायक ग्रन्थ- सूची--१-६

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org